Hindi (201)
Tutor Marked Assignment 2019-20

Disclaimer/Special Note: These are just the sample of the Answers/Solutions to some of the Questions given in the Assignments. These Sample Answers/Solutions are prepared by Private Teacher/Tutors for the help and guidance of the student to get an idea of how he/she can answer the Questions given the Assignments. We do not claim 100% accuracy of these sample answers as these are based on the knowledge and capability of Private Teacher/Tutor. Student should must read and refer the official study material provided by the Board.

1. निम्नलिखित प्रश्नों को उत्तर लगभग 40–60 शब्दों में लिखिए।
(ख) आपने 'आजादी' कविता पढ़ी। इस कविता के आधार पर व्यक्त कीजिए कि आप के लिए आजादी क्या है और उसके लिए आप क्या प्रयास कर रहे हैं।

उत्तर –कविता की कुछ पंक्तियों के माध्यम से यह पता चलता है कि हमारे समाज में आज़ादी को अनेक संदर्भों में देखा जाता है। जैसे उन्मुक्तता, उच्छृंखलता, मनमर्जी, सैर–सपाटे, गैर–जिम्मेदारी, तात्कालिक तथा सीमित लाभ और कर्महीनता को ही आज़ादी मान लिया जाता है। **जबकि** हमारे नजर में आजादी का सच्चा अधिकारी वह व्यक्ति हैं जो श्रम करता हैं। श्रम करने वाले व्यक्ति ही आजादी का उपभोग कर सकता हैं।ज्ञान कर्म और बलिदान के समन्वय से जीवन स्वस्थ और सुंदर बनाया जा सकता हैं। कर्तव्य एवं अधिकार सिक्के के दो पहलू हैं। आजादी को बनाए रखने के लिए कर्तव्य का स्थान महत्वपूर्ण है। इसलिये मैं हमेशा अपने काम में लगे रहने का प्रयास करता हूँ। अतः कार्म करना ही आजादी हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रशन का उत्तर लगभग 40–60 शब्दों में दिजिए।

(क) 'अंधेर नगरी' पाठ का मूल उद्येश्य क्या है? आप ने इस पाठ से क्या शिक्षा ग्रहण की?

उत्तर– अंधेरी नगरी' का उद्देश्य व्यंग्य के माध्यम से अन्यायी शासन—व्यवस्था की विसंगतियों-कमियों को हमारे सामने उजागर करना है। इस नाटक में राजा अन्यायी शासन–व्यवस्था का प्रतीक है। इसीलिए उसे चौपट्ट राजा और उसकी नगरी को अंधेर नगरी कहा गया है। इस चौपट राजा के शासन में सब कुछ टके सेर है यानी गुणी और गुणहीन का एक ही मोल है अर्थात्, उनके साथ एक जैसा व्यवहार किया जाता है। वे इस अन्यायी राजा के माध्यम से

अंग्रेज़ी राज–व्यवस्था की कमियों पर चोट करते हैं। भारतेंदु के समय में भारत अंग्रेज़ों का गुलाम था। अंग्रेजी शासन की आलोचना सीधे–सीधे नहीं की जा सकती थी।

इस नाटक से यह भी अभिव्यक्त होता है कि जब शासन–व्यवस्था ही भ्रष्ट हो तो उसके सभी सहायक अर्थात् मंत्री, सेठ, अधिकारी, पुलिस आदि भी भ्रष्ट हो जाते हैं। इन सब बातों के साथ यह नाटक हमें भी वह दृष्टि देता है, जिसके आधार पर हम अपने समय की शासन–व्यवस्था की आलोचना कर सकते हैं। नाटक में यह संदेश दिया गया है कि लोभ में पड़कर देशहित को नहीं भूलना चाहिए। व्यक्ति एवं देशहित के लिए स्वाभिमान तथा स्वाधीनता का बहुत महत्त्व है।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रशन का उत्तर लगभग 40–60 शब्दों में दिजिए।**

(क) आपने 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' पाठ पढ़ा। पृथ्वी का दुख दूर करने में आप क्या योगदान देंगे?

उत्तर– **पृथ्वी का दुख दूर करने में हम निम्नलिखित योगदान देंगे–**

(क) पर्यावरण प्रकृति का अमूल्य उपहार है। मनुष्य संतुलित जिंदगी के लिए पेड़–पौधें, जल, वायु, जीव–जंतुओं, पर्वत आदि पर निर्भर है, फिर भी ज्यादा–से–ज्यादा सुविधाओं के भोग के लालच में वह इनका अंधाधुंध दोहन अर्थात् अनावश्यक उपयोग करता और बाढ़, भूकंप, सूखा आदि को न्योता देता है अतः इन्हें रोकना चाहिए और उचित उपयोग के लिए ही प्रयोग करना चाहिए।

(ख) हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना चाहिए और समय समय पर पेड़ो आथवा पौधों की सिंचाई करनी चाहिए, जिससे हमारे आस–पास हरियाली बनी रहें।

(ग) पृथ्वी के प्रति हमारा कर्तव्य है कि हम नदियों को साफ़ रखें, उन्हें सूखने से बचाए, जल के अन्य स्रोतों, जैसे–तालाब, झील, कुए आदि को बढ़ावा दें, ताकि नदियों पर निर्भरता थोड़ी कम हो सके और उनमें पानी बना रहे।

अतः पानी को प्रदुषित न करें, विश्व में प्रतिदिन 25000 लोग पानी से होने वाले रोगों से मर जाते हैं। इसलिए हमें विश्व पर्यावण दिवस में भाग लेना चाहिए ताकि जिंदा रहने के आधार को हमें जिंदा रखना चाहिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रशन का उत्तर लगभग 100–150 शब्दों में दिजिए।

(क) आपने 'उनको प्रणाम' कविता पढ़ी। किसी प्रासंगिक घटना का उदाहरण देकर इस कविता का मूल संदेश व्यक्त करें।

उत्तर–
यहा! कवि ऐसे लोगों की बात कर रहा है, जो छोटी नौका लेकर समुद्र को पार करने चले थे, लेकिन उनकी मनोकामना पूरी नहीं हो सकी और वे समुद्र में ही समा गए। यहाँ कवि ऐसे लोगों के साहस और प्रयत्नों का आदर करते हुए उन्हें प्रणाम करता है।
एक **उदाहरण** से इसे समझते हैं। वास्को–डि–गामा का नाम आपने सुना होगा। उसे पूरी दुनिया जानती है। वास्को–डि–गामा ने एक नौका लेकर समुद्र के रास्ते भारत की खोज की थी। समुद्र में यात्रा करते हुए उसने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सपफलता पा ली। हमें ऐसे लोगों के परिश्रम, उत्साह और उपलब्धियों का आदर करना चाहिए। लेकिन, बहुत से ऐसे नाविक भी रहे होंगे, जिन्होंने समुद्री मार्ग से दुनिया के दूसरे देशों की खोज करने के अथक प्रयास किए होंगे, पर उन्हें सपफलता नहीं मिली और वे अथाह पानी में समा गए अर्थात् मृत्यु को प्राप्त हो गए। उनके अनुभवों से सीखते हुए ही वास्को–डि–गामा अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सका और दुनिया में अपना नाम रोशन कर सका। आज हम उन तमाम नाविकों का नाम नहीं जानते, लेकिन इससे उनके प्रयास और बहादुरी का महत्व कम नहीं हो जाता।
अतः इन क्षेत्रों में अपने जीवन में सपफलता पाने वाले लोगों के नाम तो इतिहास में दर्ज़ हैं, पर इन कामों को आरंभ करने और आगे बढ़ाने वाले लाखों ऐसे लोग हैं जो गुमनाम रह गए। कवि के अनुसार वे भी उतने ही सम्मान के अधिकारी हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रशन का उत्तर लगभग 100–150 शब्दों में दिजिए।

(क) मानव और पशु–पक्षी तथा अन्य जीवों के बीच एक सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने में आपका क्या कर्त्तव्य है?
'गिल्लू' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

उत्तर– प्रस्तुत रेखाचित्र गिल्लू की लेखिका महादेवी वर्मा हैं। महादेवी वर्मा को पशु–पक्षियों से बहुत लगाव था इसलिए उन्होने एक छोटे से प्राणी गिल्लू जो कि एक गिलहरी हैं की संवेदनशीलता को उभारा हैं।
पाठ के माघ्यम से लेखिका मनुष्य और पशु आथवा पक्षी के बिच पनपने वाले प्रेम की सुंदर अभिव्यक्ति हुई वर्तमान समय में भी मनुष्य और पशु आथवा पक्षी के बिच प्रेम व दया हैं।

मानव और पशु–पक्षी तथा अन्य जीवों के बीच एक सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने में हमारा निम्न कर्त्तव्य होना चाहिए –

(क) पशु–पक्षी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं और उनके प्रति मानवीय करुणा का भाव रखना चाहिए।

(ख) पशु–पक्षी हमारे मित्र और सहायक हो सकते हैं। यदि हम उनकी रक्षा करेंगे तो वे भी हमारे सुख–दुख में साथी होंगे। प्रेम और ममता का भाव पशु–पक्षियों या मानवेतर प्राणियों में भी उसी प्रकार होता है, जैसा कि मानव में।

(ग) करुणा और समानुभूति के माध्यम से हम किसी को भी अपना बना सकते हैं, जैसे लेखिका गिल्लू को अपना बना लेती है।

(ध) जिस प्रकार मानव में उम्र के अनुसार शारीरिक एवं व्यवहारगत परिवर्तन होते हैं वैसे ही अधिकांश मानवेतर प्राणियों में भी ये परिवर्तन होते हैं। गिल्लू के व्यवहार से मन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

6. नीचे दी गई परियोजनाओं मे से कोई एक परियोंजना तैयार कीजिए।

(ख) स्वास्थ्य और स्वच्छता पर पाँच–पाँच स्वरचित नारे लिखें और फाइल तैयार करें।

उत्तर– **स्वास्थ्य पर पाँच नारे –**

स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है। स्वास्थ्य का महत्व सबसे पहले है और बाकी सब कुछ इसके बाद में आता है। शारीरिक स्वास्थ्य शारीरिक रूप से फिट होना और सभी बीमारियों से रहित होने से संबंधित है। अच्छा शारीरिक स्वास्थ्य लंबे जीवन काल को बढ़ावा देता है। अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखना कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे हम कैसी हवा में सांस लेते हैं, कैसा पानी पीते हैं, कैसा भोजन खाते हैं, किस तरह के लोगों से हम मिलते हैं और हम कैसा व्यायाम हम करते हैं।

हमें हर धर के सदस्य को स्वाास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए एक जूट हो कर नारे के साथ **प्रचार प्रसार** करना हैं और गाँव मुहल्ला और देश के सभी व्यक्ति को स्वास्थ्य बनाना हैं। इसके लिए हमने 5 नारे लिखें हैं।

1. सुबह शाम व्यायाम का नियम बनाओ,
स्वस्थ शरीर जीवन भर पाओ।

2. स्वस्थ रहेगा तन,
तो मस्त रहेगा मन।

3. स्वास्थ्य है अनमोल,
इसका नहीं है कोई मोल।

4. खराब स्वास्थ्य की एक ही निशानी,
आलस्य और बीमारी।

5. खुशहाली उस घर जरूर आनी,
जहां सब लोगों ने स्वस्थ होने की ठानी।

स्वच्छता पर नारे –

हमारे देश में स्वच्छता पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जाता है आपने देखा होगा कि हमारे देश का कोई भी बड़ा राज्य हो या शहर हो या फिर गांव हो या फिर कोई गली या मोहल्ला हो वहां पर भी आपको कूड़ा करकट मिलेगा। जिसके कारण हमारे देश में अनेक बीमारियां फैल रही हैं और साथ ही हम हमारी जिंदगी गंदगी में जीने को मजबूर हैं। अब तो ऐसा लगता है मानो गंदगी हमारा जीवन हो गया है।

स्वच्छ भारत अभियान हमारे देश को स्वच्छ करने के उद्देश्य से चलाया गया है। इस अभियान से हमारा देश साफ सुथरा होने के साथ-साथ देश के आर्थिक विकास को भी सहारा मिलेगा हर तरफ खुशहाली होगी।

मोदी जी ने कहा था कि हर एक व्यक्ति को इस अभियान में 9 लोगों को जोड़ना है और फिर वह दूसरा व्यक्ति भी 9 लोग॑ को जोड़ेगा इससे अभियान का प्रचार प्रसार भी होगा और लोगों में उत्साह भी होगा कि अपने आसपास सफाई रखनी आवश्यक है। हमारे देश का कोई भी बड़ा राज्य हो या शहर हो या फिर गांव हो या फिर कोई गली या मोहल्ला हो हमें स्वच्छता को जागरूक करने के लिए एक जुट होना हैं और नारे के साथ **प्रचार प्रसार** करना हैं इसके लिए हमने 5 नारे लिखें हैं।

1. बच्चा बच्चा करे यही पुकार, स्वच्छ और सुंदर हो देश हमारा

2. जन-जन तक यह संदेश पहुंचाना है, हमें स्वच्छता को अपना

3. स्वच्छता का कर्म अप , इसे अपना धर्म बनाओ

4. हम सबको यह बतलाना है, साफ-सफाई को अपनाना है

5. आओ मिलकर कसम ख , गंदगी हटाए, देश को स्वच्छ बनाएं

Website - www.growtheducationpoints.com

Mr. Santosh Kumar

Ph :- **9582489391,8809484815** **(join WhatsAap)**

Note- **Thanks for choosing G.E.P solved Assignment .We are a group of professional willing to help professional students, We are also provided NIOS Admission & Assignment support, Ignou Assignment, NIOS Practical file, Nios reference book & Full books Guide.**

Working Locations:

New Delhi ||Uttar Pradesh | Madhya Pradesh | Bihar | Haryana | Karnataka | Uttarakhand | Maharashtra | Chhattisgarh | Punjab | PRADESH II Jammu & Kashmir |Jharkhand | Rajasthan | Himanchal Pradesh | Goa | Nepal | GUJRAT|| ODISHA|| TAMILNADU|| KERELA|| ANDHRA II Meghalaya II and others state.